MAHARAJA AGRASEN INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES
(A unit of Maharaja Agrasen Technical
Education Society) Affiliated to GGSIP
University; Recognized u/s 2(f) of UGC
NAAC Accredited with Grade "A++"
Recognized by Bar Council of India; ISO 9001: 2015
Certified Institution Maharaja Agrasen Chowk, Sector 22,
Rohini, Delhi - 110086, INDIA Tel. Office: 8448186947,
8448186950 - www.maims.ac.in

DEPARTMENT OF COMMERCE

Email: hodcommerce@maims.ac.in **Prof. (Dr.) Manju Gupta**

Ph:9811871455 **Head, Department of Commerce**

Friday, 27th March, 2026

Seminar on "Know Your Constitution"

Academic Year: 2025-26

Name of Event: **Seminar on "Know Your Constitution"**

Organised by: Department of Commerce, MAIMS and Department of Computer Applications, MAIMS

Date of the Event: 27th March 2026

Time of the Event: 11:00 AM – 1:00 PM

Location: Room No. 984, 9th Block, MAIMS

Number of Participants: 100

प्रतिवेदन

महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (MAIMS), नई दिल्ली में दिनांक 27 मार्च 2026 को 'अपने संविधान को जानें' विषय पर एक भव्य, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी सेमिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय सेंटर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार तथा हिंदुस्तानी भाषा अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। यह इस श्रृंखला का पाँचवाँ महत्वपूर्ण आयोजन था।

इस सेमिनार का प्रमुख उद्देश्य विशेष रूप से गैर–विधि (Non-Law) पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की मूल भावना, उसकी संरचना, उसके आदर्शों एवं व्यावहारिक महत्व से परिचित कराना था। वर्तमान समय में जब युवाओं की भूमिका राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है, ऐसे में उन्हें संविधान के प्रति जागरूक करना एवं उनमें संवैधानिक मूल्यों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसने ज्ञान, प्रकाश एवं सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीकात्मक संदेश दिया। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन तकनीकी शिक्षा सोसायटी (MATES) के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. नंदकिशोर गर्ग एवं अध्यक्ष श्री विनीत कुमार गुप्ता के प्रेरणादायी संदेश प्राप्त हुए। उन्होंने अपने उद्बोधन में इस प्रकार के आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं राष्ट्र के सुदृढ़ निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक बताया तथा संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय सेंटर के **निदेशक श्री आकाश पाटील** ने अपने ओजस्वी एवं प्रभावशाली उद्बोधन में भारतीय संविधान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उसके निर्माण की जटिल प्रक्रिया एवं उसमें डॉ. भीमराव अम्बेडकर के अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर वर्तमान समय तक की ऐतिहासिक यात्रा का उल्लेख करते हुए युवाओं को यह समझाया कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा और उसके लोकतांत्रिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने युवाओं को संविधान के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया तथा यह भी बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों को भविष्य में विद्यालय स्तर तक विस्तारित किया जाएगा।

हिंदुस्तानी भाषा अकादमी के अध्यक्ष श्री सुधाकर पाठक ने अपने विचारों में संविधान सभा के भीतर हुए गहन वैचारिक विमर्श, विभिन्न दृष्टिकोणों के समन्वय तथा भारतीय संस्कृति के समृद्ध मूल्यों के समावेश को अत्यंत सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारतीय संविधान केवल कानूनी प्रावधानों का संकलन नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज की विविधता, सहिष्णुता एवं सांस्कृतिक समृद्धि का दर्पण है। उन्होंने विद्यार्थियों को भाषा, नैतिकता एवं सुसंस्कारों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया तथा संविधान निर्माण में महिलाओं के योगदान को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए 'मातृ शक्ति' के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

संस्थान की निदेशक डॉ. ढींगरा ने अपने संबोधन में महाविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार संस्थान विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें नैतिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों से भी जोड़ने का सतत प्रयास करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को एक जागरूक, जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित परिचर्चा सत्र में विभिन्न विशेषज्ञों ने संविधान के विविध आयामों पर विस्तार से चर्चा की। उदय सिंह राठौर ने 'मूल संरचना सिद्धांत की व्याख्या करते हुए भारतीय लोकतंत्र में इसकी महत्ता को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि यह सिद्धांत संविधान की मूल आत्मा की रक्षा करता है और लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही, उन्होंने अनुच्छेद 32 को संविधान की आत्मा बताते हुए इसके महत्व को रेखांकित किया।

समकालीन परिप्रेक्ष्य में अंकित देव अर्पण ने साइबर कानून, निजता के अधिकार एवं डिजिटल युग की चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा प्रस्तुत की। उन्होंने IT Act 2000 एवं Digital Personal Data Protection Act 2023 के प्रावधानों को सरल भाषा में समझाते हुए विद्यार्थियों को यह बताया कि डिजिटल युग में अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का पालन भी उतना ही आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। परिचर्चा सत्र में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, प्रश्न पूछे एवं अपने विचार प्रस्तुत किए, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि युवाओं में संविधान के प्रति जागरूकता एवं रुचि निरंतर बढ़ रही है। इस आयोजन में 150 से अधिक

विद्यार्थियों की उपस्थिति रही, जिसने कार्यक्रम की सफलता को और अधिक सुदृढ़ किया।

समापन सत्र में 'निबंध लेखन प्रतियोगिता' के विजेताओं को मंच पर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम के सफल आयोजन में योगदान देने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह क्षण सभी के लिए प्रेरणादायी एवं उत्साहवर्धक रहा।

अंततः, यह सेमिनार न केवल विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी सिद्ध हुआ, बल्कि यह संविधान के प्रति जागरूकता फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी पहल के रूप में भी स्थापित हुआ। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों के भीतर संवैधानिक मूल्यों के प्रति नई समझ, जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित की, जो भविष्य में एक सशक्त एवं जागरूक राष्ट्र के निर्माण में सहायक सिद्ध होगी।

चित्र